

— अप *verbergen, verstecken*: पदं न गोपयन् गूहं विविधान् RV. 4, 5, 3. मा वयं अस्मदपं गूह एतत् 7, 10, 6. 10, 27, 24. अपगूहन्मतां मत्तयः 17, 2. med.: अपं दूहा तन्वो गूहमाना 7, 104, 17. त्रयम् AV. 19, 56, 2. मात्मानमपं गूह्याः 4, 20, 5. partic. अपगूहन् RV. 1, 23, 14. निधि 116, 11. — Vgl. अपगोह.

— अव 1) *zudecken, hineinstecken, verstecken, verhüllen*: पुपशकलमवगूहति ÇAT. Br. 3, 7, 4, 22. 8, 4, 5. उज्जीषं संकृत्य पुरस्तादवगूहति 5, 3, 5, 23. AV. 20, 133, 4. KĀTJ. ÇR. 1, 3, 17. 4, 3, 17. LĀTJ. 1, 2, 22. उज्जीषं संवेद्य निवीति ऽवगूहते KĀTJ. ÇR. 15, 5, 13. (रविः) पाशुपुञ्जावगूहः MBh. 3, 7246. — 2) *umarmen*: सा मामव्यावगूहते PAÑĀT. III, 191. 192. 181, 2. 18. VARĀH. BRH. S. 73, 16. — caus. zu 1: सिध्यवगूहयति KAUC. 32. — Vgl. अवगूहन.

— उद् so *einstecken, dass es an der anderen Seite wieder zum Vorschein kommt, durchstecken, durchschlingen*: उद्धमेवाद्गूहति (राक्षस) ÇAT. Br. 1, 3, 1, 17. KĀTJ. ÇR. 2, 7, 2. नीविमुद्गूहते ÇAT. Br. 3, 2, 1, 15.

— उप 1) *verdecken, verstecken, ael.*: शाखाम् ÇAT. Br. 1, 7, 1, 8. 3, 8, 5, 10. 5, 4, 2, 25. 11, 4, 1, 8. 14, 2, 2, 35. KĀTJ. ÇR. 4, 2, 11. 26, 2, 20. 6, 14. कृषोपगूह VARĀH. BRH. S. 50, 2. — 2) *umfassen, umarmen*: उपगूह च माम् MBh. 13, 1462. 1459. उपगूहः BHATT. 14, 52. RAGH. 18, 46. मां तरंगकृतेरुपगूहतीव 13, 63. MĀRK. P. 16, 22. (नदी) सायोध्यामुपगूहते R. 1, 26, 9. BHĀG. P. 3, 19, 24. पृथिवीमुपगूह्याङ्गैः सुताः कात्तामिव MBh. 7, 6436. R. 5, 13, 49. 6, 4, 39. हृदोपगूह्यार्कपदम् BHĀG. P. 2, 2, 18. उपगूह्य (!) R. 2, 87, 8. 104, 20. अङ्गरमुपगूह्य sprichwörtlich 73, 4. उपगूहवती Hit. 29, 17. उपगूह *umfasst, umarmt* ŚIV. 5, 70. R. 5, 11, 17. RAGH. 6, 13. BHĀG. P. 4, 28, 6. 8, 12, 29. ÇIÇ. 9, 38. n. *Umarmung* BUATR. 3, 37. MEGH. 95. KUMĀRAS. 4, 17. — Vgl. उपगूहन, उपगोह.

— समुप *umfassen, umarmen*: अङ्गैरुक् समुपगूह्य KĀURAP. 6.

— नि *verdecken, verbergen, verheimlichen*: (स्तनौ) वस्त्रात्तेन निगूहतीम् BHĀG. P. 4, 25, 24. न हि शक्तिं निगूहति MBh. 12, 3128. स्वाकारं निगूहन् PAÑĀT. 36, 20. 263, 4. निगूहमाना ज्ञातम् MBh. 1, 2774. निगूहते गूह्यम् 2, 2125. बाङ्गभिः परिचयैर्मत्पथं निगूह्यते R. 5, 14, 26. किं न स्मरसि कैकेयि स्मरती वा निगूहसे 2, 9, 6. निगूह *verdeckt, versteckt, verborgen*: अमृतं निगूहन् (त्रितेषु) RV. 6, 44, 23. 10, 108, 11. देवात्मशक्तिं स्वगुणैर्निगूहाम् ÇVETĀÇV. Up. 1, 3, 14. मूषिकेन निगूहेन गर्ते MBh. 1, 1035. निगूहनिश्चय 2768. निगूहरोमा नारी SUÇR. 1, 290, 13. M. 7, 67, 8. 362. R. 4, 22, 22. MĀRK. 114, 5. VARĀH. BRH. S. 66, 6. 67, 2. 68, 1, 11. AMAR. 82. RĪGĀ-TAR. 3, 267. 421. BHĀG. P. 1, 19, 27. 4, 13, 43. ŚĪV. D. 32, 20. निगूहम् adv. *insgeheim* KATHĪS. 5, 65. निगूहतर *recht versteckt* PAÑĀT. 46, 7. — caus. निगूहयति P. 6, 4, 89, Sch.

— विनि *verbergen, verstecken*: सा बान्धवभयाद्वाला गर्भतं विनिगूहती MBh. 3, 17127. न शशाकात्मनः काममागतं विनिगूहितम् R. 5, 20, 6. — विनिगूहित (von caus.) *versteckt*: शस्त्रेण वेणीनिगूहितेन VARĀH. BRH. S. 77, 1.

— वि, विगूह 1) *verborgen, versteckt* H. an. 3, 190. MED. dh. 9, 10. विगूहस्मितवदन BHĀG. P. 5, 5, 31. चारिन् *im Geheimen wandelnd, handelnd* M. 9, 260. — 2) *tadelhaft* H. an. MED.

— सम्, संगूह = *sankalit* von oben *bedeckt* AK. 3, 2, 42. H. 1485.

2. गूह f. *Versteck*: विश्वपुरमे गूहा गूहे गाः RV. 1, 67, 6 (3).

गूह gaṇa अण्मादि zu P. 4, 2, 80. m. 1) ein Beiname Skanda's, des Kriegsgottes, AK. 1, 1, 1, 35. H. 209. an. 2, 338. MED. h. 4. गूहावासादु-

हो भवत् MBh. 13, 4099. 3, 7036. 14317. 14376. 14430. 14637. 9, 2668. HARIV. 10478. SUÇR. 2, 386, 6. 394, 1, 6. 15. KUMĀRAS. 5, 14. RĪGĀ-TAR. 1. 29. BHĀG. P. 5, 20, 19. DEV. 8, 12. गूहषष्ठी *der 6te Tag in der 1sten Hälfte des Margaçirsha* As. Res. III, 268. — 2) ein Beiname Çiva's MBh. 13, 1263. ÇIV. — 3) ein Bein. Viṣṇu's ÇKDR. WILS. — 4) N. pr. eines Königs der Nishāda, eines Freundes des Rāma, R. 1, 1, 29. 2, 50, 18. 6, 108, 44. MAHĀVĪRAK. 72, 7. LĪA. I, 130, N. 2. — 5) pl. N. pr. eines Volkes im Süden von Indien MBh. 12, 7559. VP. 480. — 6) ein in der Schreiberkaste beliebter Name ÇKDR. WILS. — 7) Pferd ÇABDAR. im ÇKDR. ein *schnelles Pferd* WILS. — Vgl. काकगूह; गुहा s. bes. गुह्याम् (गूह + गुप्) m. N. pr. eines Bodhisattva VJUTP. 22. Lot. de la b. I. 2.

गूहचन्द्र (गूह + चन्द्र) m. N. pr. eines Kaufmannes KATHĪS. 17, 72.

गूहदवय (गूहत्, partic. praes. von गूह्, + अवय) adj. *Mängel verdeckend, Mängeln abhelfend*: रपि RV. 2, 19, 5.

गूहदेव (गूह + देव) m. N. pr. eines Lehrers WEBER, Lit. 12.

गूहर्तु von गूह gaṇa अण्मादि zu P. 4, 2, 80.

गूहराज (गूह + राज) m. eine *best. Tempelform* VARĀH. BRH. S. 53, 18. 25.

गूहस्तु m. N. pr. eines Mannes gaṇa अण्मादि zu P. 4, 1, 105. — Vgl.

गौहलव्य, गोस्वल्.

गूहशिव (गूह + शिव) m. N. pr. eines Königs von Kālīṅga LĪA. II, 976.

गूहसेन (गूह + सेन) m. N. pr. eines Kaufmannes KATHĪS. 13, 67. 17, 75.

1. गूहा (von गूह) f. gaṇa वृषादि zu P. 6, 1, 203. (भावे) VOP. 26, 192.

1) *Versteck, Höhle* AK. 2, 3, 6. 3, 4, 25, 185. H. 1033. an. 2, 599. MED. h.

4. गूहाभ्यः किरातम् VS. 30, 16. वप्रीभिरनुवितं गूहाम् TBR. 1, 2, 1, 3. गु-

हावासादुहो भवत् MBh. 13, 4099. A. G. 9, 10. (कापि): जगाम स्वां गूहाम्

R. 1, 1, 65. गिरिगूहा 6, 20. 5, 73, 31. 6, 1, 15. PAÑĀT. 93, 8. RAGH. 2, 28, 51.

VJUTP. 137. Bildlich: ब्रह्म यो वेद निहितं गूहायां परमे व्योमन् Ind. St. 2.

217. आत्मा गूहायां निहितो ऽस्य ज्ञतोः *im verborgenen Herzen* ÇVETĀÇV.

Up. 3, 20. भगवान्सर्वभूतानामध्यतो ऽवस्थितो गूहाम् BHĀG. P. 2, 9, 24. ज्ञा-

नगूहा *die Höhle der Erkenntnis* heisst die *प्रकृति* 3, 26, 5. गूहा = गि-

रि d. i. गिरिगूहर् gaṇa भिदादि zu P. 3, 3, 104. — 2) N. zweier Pflan-

zen, = ओषधि gaṇa भिदादि zu P. 3, 3, 104. a) *Hemionitis cordifolia*

Roxb. AK. 2, 4, 2, 11. H. an. MED. RATNAM. 10. SUÇR. 1, 71, 16. 2. 284. 7.

Vgl. प्रतिगूहा. — b) = शालपर्णी RĀGĀN. im ÇKDR.

2. गूहा (verkürzter instr. von 1. गूहा) adv. *im Versteck, im Verbor-*

*genen; geheim* (Gegens. आविस्): त्रीणि पदान्यश्चिनोराविः सन्ति गूहा परः

RV. 8, 8, 23. विद्वा ते नाम परमं गूहा यत् 10, 43, 2. न वो गूहा चक्षु भू-

रिं दुःकृतं नाविद्यं देवैर्दृष्टं 100, 7. यान्याविद्या च गूहा वसूनि 54, 5.

1, 63, 1. 67, 3 (2). 5, 2, 1. तस्मादिदं गूह्यं हृदयम् ÇAT. Br. 11, 2, 6, 5. Be-

sonders häufig a) mit धा, निधा: गूहा हे निहिते दर्शका RV. 3, 36, 2. गु-

हा नामानि दधिरे पराणि 10, 5, 2. गूहा निधी निहितौ ब्राह्मणस्य AV.

11, 5, 10. 10, 8, 6. RV. 1, 23, 14. 130, 3. 5, 13, 2. 9, 6, 9. VS. 9, 9. — b) mit

कार् *verbergen; wegschaffen, beseitigen*: यो दासं वर्णमधरं गूहाकः RV.

2, 12, 4. 1, 123, 7. अथर्वनिर्व मन्थमाना गूहाकारिन्धं माता 4, 18, 5. म गूहा

चक्रे तन्वः पृचिः AV. 8, 9, 2. गूहाकारमावृत्तं प्रतोत्य TBR. 1, 2, 1, 2.

ÇAT. Br. 13, 8, 1, 11.